खुशनसीब आदमी

खुशनसीब आदमी

अध्याय एक

अमीर भाई, गरीब भाई

एक बार दो भाई थे.
उनके खेत अगल-बगल थे.

मार्कोस अमीर था. फेलिक्स गरीब था.
फेलिक्स जितनी अधिक मेहनत करता,
वो उतना ही गरीब होता जाता था.

फेलिक्स एक जर्जर घर में रहता था
जो तेज़ हवा में हिलता था
और बारिश में लीक करता था.
वो घर उसे मार्कोस ने दिया था.

लेकिन जैसे-जैसे मार्कोस अमीर हुआ,
वो और अधिक स्वार्थी होता गया.
एक दिन उसने कहा, "मुझे अपना
घर वापस चाहिए. मैं इसमें अपने
सूअर रखूंगा."

फेलिक्स ने मार्कोस को कागज
का एक टुकड़ा दिखाया.
"कागज़ के अनुसार
यह घर मेरा है." उसने कहा.
"तुमने इस पर दस्तखत भी किए हैं."

"इस कागज का कुछ
मतलब नहीं है," मार्कोस चिल्लाया.
“इसके बारे में किसी और को पता
नहीं है. मैं शहर जाऊंगा.
इस कागज़ को देखकर जज
मुझे यह घर रहने को देगा."

फेलिक्स डर गया था.
शायद मार्कोस की बात सही थी.
फिर उसके परिवार के पास
रहने के लिए कोई जगह नहीं
होगी.

उसने जज से मिलने
और उसे कागज का वो टुकड़ा
दिखाने का फैसला किया.

अध्याय दो

दो के लिए प्याज

फेलिक्स ने अपने
परिवार से अलविदा कहा.
उसकी पत्नी ने उसे खाना पकाने
का बर्तन और चार प्याज दिए.
उनके पास बस यही बचा था.

शहर पहुँचने में दो दिन लगते थे.
पहले दिन फेलिक्स अंधेरा होने
तक चला. फिर वो एक किसान
के घर पहुंचा.

"क्या मुझे थोड़ा
पानी मिल सकता है?"
उसने किसान से पूछा.
"और रात को सोने की जगह?"

तुम्हें बस एक कप
पानी मिल सकता है
और तुम मेरे कुत्तों के
साथ सो सकते हो,"
किसान ने कहा.

फेलिक्स ने फार्महाउस के अंदर
कदम रखा. खाने की मेज़ अच्छे
पकवानों से सज़ी थी. उस पर
किसान की पत्नी खाने बैठी थी.

जब किसान और उसकी पत्नी
खाना खा रहे थे तो फेलिक्स
ने अपने प्याज को पकाया.
"वाह!" किसान की पत्नी ने कहा.
"बड़ी अच्छी खुशबू आ रही है.
मुझे एक प्याज़ चाहिए."

फेलिक्स ने उसकी प्लेट पर
एक प्याज रख दिया.
"क्या मुझे भुने मांस का एक टुकड़ा
मिल सकता है?" फेलिक्स ने पूछा.

"लालची भिखारी!"
किसान की पत्नी चिल्लाई. "हमने
तुम्हें पानी और सोने के लिए जगह दी.
पर अब तुम और अधिक माँग रहे हो!
चलो, मुझे एक और प्याज दो! "

फेलिक्स ने किसान की पत्नी की प्लेट पर दूसरा प्याज़ भी रखा. उसने उसे खा लिया, उसने फिर एक और माँगा. फेलिक्स ने उसे तीसरा प्याज भी दे दिया.

फेलिक्स ने आखिरी प्याज़ खाया. फिर वह कुत्तों की बगल में ही दुबककर सो गया.

रात में फेलिक्स ने एक शोर सुना
"ओह, मैं मर रही हूँ!"
किसान की पत्नी रोई.
"उस भिखारी ने मुझे अपने
प्याज के साथ जहर दिया है."

किसान ने फेलिक्स को अपने
घर से निकाल दिया.
"मैं शहर जाऊँगा और वहां जो कुछ
तुमने किया है वो सब जज को
बताऊंगा. वो निश्चित तौर पर
तुम्हें फांसी की सजा देंगे,"
किसान चिल्लाया.

अध्याय तीन

खच्चर की पूंछ

फेलिक्स शहर में जज को
खोजने गया.

उसने उस दिन घोड़ों पर
किसान और मार्कोस को
सवारी करते हुए देखा.

फेलिक्स ने एक आदमी को देखा.
उसका खच्चर कीचड़ में फंस गया था.
फेलिक्स खच्चर के पीछे गया.
"मैं उसकी पूंछ को घुमाऊंगा.
तुम आगे से खींचना और मैं पीछे से
धक्का दूंगा," फेलिक्स ने आदमी से कहा.

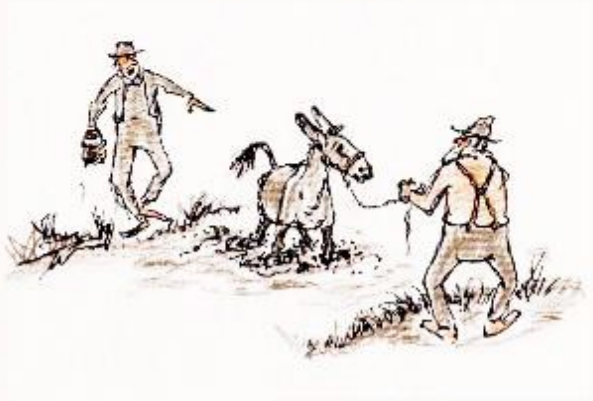

"एक दो तीन!" फेलिक्स ने गिनती गिनी. अर्रे! खच्चर सूखी सड़क पर कूद गया. लेकिन उनकी पूंछ अभी भी फेलिक्स के हाथ में थी.

"देखो यह तुमने क्या किया!" आदमी चिल्लाया. "अब मेरा खच्चर किसी काम का नहीं रहा! मैं अब शहर जाऊँगा और जज को सारी बात बताऊंगा."

वो आदमी दौड़ा,
"तुम्हें फांसी की सजा होगी!"
वो फेलिक्स पर चिल्लाया.

"वे मुझे केवल एक ही बार फांसी दे
सकते हैं," फेलिक्स ने खुद से कहा.
"वैसे एक ही फांसी बहुत होती है."

अध्याय 4

शहर में

जब फेलिक्स शहर में घुसा
उस समय वहां पर अंधेरा था.
उसके पास किराए के कमरे
के लिए पैसे नहीं थे.
इसलिए वो एक दीवार के ऊपर
चढ़कर उस पर सो गया.

लेकिन फेलिक्स इस बात को बिल्कुल भूल
गया कि वो एक दीवार पर सोया था.
वो अपनी नींद में से उछला और गिर गया.
"वो ईईईईईईईईई!" करके चिल्लाया.
वो एक सोते हुए घोड़े
पर जाकर गिरा.

घोड़े ने एक सोते हुए
कुत्ते को लात मारी.

कुत्ते ने एक सोती हुई
बिल्ली को काटा.

बिल्ली ने एक सोते हुए
आदमी की नाक खरोंची.

वो आदमी ज़ोर से चिल्लाया.
उसने अपने नंगे पैर की उँगलियों
से दीवार को लात मारी.

फिर उस आदमी ने अपनी नाक
और पंजो की चोट को सहलाया.
"तुमने मुझे लगभग मार डाला!“
वो फेलिक्स पर चिल्लाया.
"मैं यह बात जज को जाकर बताऊंगा!"

फेलिक्स ने अपने कंधे उचकाए.
"वे मुझे केवल एक बार ही फांसी पर
लटका सकते हैं. वैसे एक फांसी ही
काफी होती है,” उसने कहा.

अध्याय पाँच

जज

अगले दिन अदालत में,
मार्कोस सबसे पहले बोला.

उसके बाद फेलिक्स ने
जज को मार्कोस के
दस्तखत वाला कागज का
टुकड़ा दिखाया.

जज ने निर्णय दिया,
"घर, फेलिक्स का है."

जज ने परेशान करने के लिए
मार्कोस से फेलिक्स को 1000
सोने के सिक्के देने को कहा.

फेलिक्स ने झुककर
जज का शुक्रिया अदा किया.
जज से बातें करने के लिए
अभी तीन आदमी और बचे थे.
लेकिन अब फेलिक्स के परिवार के
पास घर और खाने के लिए पैसे थे.

जब किसान ने अपनी कहानी ख़त्म की,
तो जज ने उससे पूछा,
"क्या तुम्हारी पत्नी की मौत हुई?"
किसान ने कहा, "मैं यहां पहुंचने की जल्दी
में था. इसलिए मुझे उसका पता नहीं."

जज ने परेशानी के लिए किसान से फेलिक्स को 500 सोने के सिक्के देने को कहा.

जज के चेहरे पर एक मुस्कान छिपी थी. "तुम्हारी लालची पत्नी मरी नहीं है. लेकिन वो अब दुबारा बहुत सारे प्याज नहीं खाएगी."

लेकिन दो आदमी अभी भी जज से बात करने का इंतजार कर रहे थे. खच्चर वाले व्यक्ति ने अपनी पूरी कहानी सुनाई.

जज लगभग हंस पड़ा. "फेलिक्स ने खच्चर को चोट पहुंचाई और उसे उसके लिए उसे दंड मिलना ही चाहिए," जज ने कहा. "फेलिक्स उस खच्चर को अपने पास तब तक रखे जब तक उसकी पूंछ वापस नहीं बढ़ जाए."

"लेकिन, जज!" आदमी ने कहा.
"उस खच्चर की पूंछ वापस
कभी नहीं बढ़ेगी."

जज मुस्कुराए. "ओह?
तो क्या ऐसी बात है?
तो फेलिक्स के लिए
यह सही सजा होगी.
फिर उसे जीवन भर खच्चर
की देखभाल करनी होगी."

जज ने परेशानी के लिए उस आदमी से फेलिक्स को 250 सोने के सिक्के देने को कहा.

फेलिक्स के झुककर जज का अभिवादन किया. अब उसके परिवार के पास एक घर, 1750 सोने के सिक्के और सवारी करने के लिए एक खच्चर था.

लेकिन खरोंची नाक और पंजे
में चोट वाला आदमी गुस्से
से अभी भी चिल्ला रहा था.

जज ने कहा कि उस आदमी
की कहानी सबसे दर्दनाक थी.
"इस आदमी को न्याय मिलना
ही चाहिए." जज ने कहा.

"उस आदमी को दीवार
पर खड़ा होना चाहिए.
फिर उसे घोड़े पर कूदना चाहिए.

फिर घोड़ा कुत्ते को लात मारेगा.

फिर कुत्ता बिल्ली को काटेगा.

फिर बिल्ली फेलिक्स को खरोंचेगी.

और फेलिक्स दीवार पर लात मारेगा.”

वो आदमी अपने अच्छे पैर
पर एक टांग से कूदता रहा.
उसकी नाक और लाल हो गई थी.

"लेकिन दीवार से गिरने से मैं मर
जाऊँगा! मैं फेलिक्स की तरह नहीं हूँ.
फेलिक्स एक खुशनसीब इंसान है!"

जज ने हंसकर कहा.
"यदि तुम नहीं कूदोगे,
तो तुम्हें फेलिक्स को 50 सोने के
सिक्कों का जुर्माना देना होगा."

फिर फेलिक्स अपने खच्चर पर
सवार होकर घर की ओर चला.
सिक्कों से उसकी जेबें
झनझना रही थीं.

और उस आदमी के शब्द
उसके कानों में गूँज रहे थे.
फेलिक्स सचमुच में एक
खुशनसीब आदमी था.

समाप्त